सहकार किसान सम्मेलन, गंगापुर सिटी में माननीय अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

आज गंगापुर सिटी में आयोजित इस सहकारिता किसान सम्मेलन में इतनी बड़ी संख्या में पधारे हमारे सभी किसान भाइयों - बहनों को नमस्कार करता हूँ।

गंगापुर की यह धरती खेती – किसानी के लिए बहुत समृद्ध है। यहाँ के किसान बहुत जागरूक और प्रगतिशील हैं।

हमारे देश में सहकारिता का इतिहास सवा सौ साल (125 साल) से भी अधिक पुराना है। देश की आजादी से पहले ग्रामीण स्तर पर किसानों की एकजुटता के साथ सहकारिता की शुरुआत हुई।

आज, भारत दुनिया में सहकारिता का सबसे बड़ा केंद्र है। आज देश के 90 प्रतिशत से अधिक गाँव सहकारिता आंदोलन का हिस्सा हैं, साढ़े आठ लाख से अधिक सहकारी समितियां हमारे देश में हैं, जिनमें लगभग 13 करोड़ लोग सीधे जुड़े हुए हैं।

इन सवा सौ वर्षों में देश के किसान, मजदूर, बुनकर, छोटे उद्यमियों, छोटे कामगारों, महिलाओं, नौजवानों और सभी के जीवन में जो कुछ भी सामाजिक-आर्थिक बदलाव आया है, उसमें सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सहकारिता आंदोलन ने देश के करोड़ों लोगों का जीवन संवारने का काम किया है।

आज सहकारिता आंदोलन के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हुई है।

सहकारिता के लिए नए मंत्रालय का गठन 2 वर्ष पहले माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया और इन दो वर्षों में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए कई नई पहलों और ऐतिहासिक योजनाओं की शुरुआत की है।

इन अभिनव कदमों के चलते आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की "सहकार से समृद्धि" परिकल्पना साकार हुई है।

मुझे खुशी है कि देश में अभी 85 हजार पैक्स हैं, और आने वाले 3 साल के अंदर पैक्स की संख्या बढ़कर 3 लाख से अधिक पहुँच जाएगी।

पैक्स के अंदर नए अभिनव बदलाव लाने का काम माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया है। आने वाले समय में इन पैक्स के माध्यम से आम जन जीवन से जुड़ी सभी सुविधाएं मिलने लगेगी।

किसानों को खाद, बीज, उपकरण, और जरूरत की सभी सुविधाएं पैक्स के माध्यम से एक स्थान पर – एक छत के नीचे मिलने लगेगी। इस तरह हमारे पैक्स कॉमन सर्विस सेंटर की तरह काम करने लगेंगे।

सहकारिता की सबसे छोटी इकाई पैक्स जब मजबूत होगी, तो इससे गाँव का किसान और आमजन मजबूत होगा।

सहकारिता बैंकों ने ग्रामीण जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का काम किया है।

शहरी और ग्रामीण सहकारी बैंकों से लेकर इफको और कृभको जैसी अनेक सहकारी संस्थाएं लोक जीवन का अहम हिस्सा बनकर उभरी हैं।

सहकारिता ने महिलाओं के जीवन को आत्मनिर्भर बनाया है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से।

जब जब भी देश पर कोई संकट आया हो, उस संकट से निकालने का काम सहकारिता ने किया है।

कई दशक पहले पूरे विश्व में और भारत में सहकारिता आंदोलन का जो युग शुरू हुआ, तो उससे समाज के सभी संकटों का समाधान संभव हुआ है। चाहे रोजगार का संकट हो, कृषि का संकट हो, उपभोक्ताओं का संकट हो, ऋण का संकट हो, उद्योगों का संकट हो, उत्पादन का संकट हो, खाद्य आपूर्ति का संकट हो, या अर्थव्यवस्था का संकट हो, ऐसे हर संकट का समाधान करने में सहकारिता आंदोलन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कई सहकारिता समितियों के उदाहरण हमारे सामने हैं, जैसे कृभको, इफको, नेफेड, हेफेड, अमूल इत्यादि।

सहकारिता के माध्यम से किसान, मत्स्य पालन, पशुपालन हर क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है।

इसी तरह एक समय था कि देश में किसानों को गन्ना सस्ती दर पर बेचना पड़ता था। गन्ना के किसानों की लागत नहीं निकल पाती थी। तब सहकारी चीनी मिलों की स्थापना से देश में एक आमूलचूल परिवर्तन हुआ, जिससे किसानों को गन्ने का उचित दाम मिलने लगा और गन्ना खरीद की एक सुव्यवस्थित प्रक्रिया तैयार हुई।

सहकारिता आंदोलन से पहले किसान भाइयों को अपनी फसल के लिए कई बार 16 पर्सेन्ट, 18 पर्सेन्ट पर ऋण लेना पड़ता था, लेकिन आज स्थिति यह है कि देश के कई राज्यों में एक से डेढ़ लाख रुपये का ऋण ज़ीरो प्रतिशत ब्याज दर पर सहकारिता के माध्यम से किसान को मिल पा रहा है। सहकारी समितियों के माध्यम से खाद, बीज और उर्वरक भी हमारे किसान साथियों को सस्ते दर पर मिल पा रहे हैं।

मैं सभी किसान भाइयों, विशेषकर युवाओं से अपील करूंगा कि वे एग्रीकल्चर के फील्ड में आगे आएं। इस क्षेत्र में अध्ययन करें, रिसर्च करें और सहकारिता के बारे में जानें-समझें। नौजवान नवाचार करके नए भारत का निर्माण करें।

गाँव – कस्बों में किसान बंधु मिलकर आपसी सहकार से फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना करें, कोल्ड स्टॉरिज चेन की स्थापना करें, ताकि प्रोसेसिंग और स्टोरेज के लिए फल-सब्जी और फसल को शहर में न लेकर जाना पड़े। साथ ही साथ गाँवों में रोजगार का सृजन हो।

मुझे विश्वास है कि नए भारत में सहकारिता देश की आर्थिक धारा का सशक्त माध्यम बनेगी। 25 वर्ष बाद जब हम अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मनाएंगे, तब भारत की उन्नति और विकास में सहकारिता की सर्वप्रमुख भूमिका होगी।

मैं एक बार फिर देश के माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी को धन्यवाद देता हूँ। आपने कॉपरेटिव को राजनीति की बजाए समाज नीति का वाहक बनाया है।

मैं गंगापुर सिटी और राजस्थान प्रदेश के सभी किसान बंधु – बहनों को शुभकामनाएं देता हूँ। आप सभी को नमस्कार करता हूँ।